हिन्दी विभाग - गतिविधियॉ सत्र 2022-23

1. राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन- 8 जुलाई 2022: हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला के सौजन्य से एक दिवसीय संगोष्ठी विषय- पाठक पुस्तक की दूरी: सूचना प्रौद्योगिकी की मजबूरी।

पुस्तक का स्थान तकनीक नहीं ले सकती: डॉ. बाजपेयी

सच कहूँ/जयमल सैनी

जगाधरी। महाराजा अग्रसेन स्नातकोत्तर महाविद्यालय जगाधरी में हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला के सौजन्य से पुस्तक पाठक दूरी व सूचना प्रौद्योगिकी मजबूरी नामक विषय पर सफल संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. लाल चंद गुप्त रहे। डॉ. पीके बाजेपयी ने सभी अतिथियों व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले आलेख एवं शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण एवं वाचन की सराहना की। उन्होंने पुस्तक पाठक दूरी सूचना क्रांति बनी मजबूरी विषय को चर्चा परिचर्चा हेतु वर्तमान संदर्भ में उपयोगी बताया। मुख्य अतिथि डॉ. लाल चंद्रगुप्त ने सोदाहरण और अपने अनुभव के बल पर पुस्तक और पाठक के मध्य वर्तमान में क्या संबंध है और पाठक पठन-पाठन की ओर कितना आकृष्ट है तथा वर्तमान में शोधार्थी पुस्तक पठन के प्रति संदर्भ ढूंढ़ने के प्रति कितना सचेत है आदि पर प्रकाश डाला। इसी प्रकार डॉ. कमल नयन कपूर ने पठन-पाठन के विविध विषयों को उठाया व उसे पुस्तक और पाठक की मैत्री से जोड़ने का प्रयास किया।

डॉ. आशुतोष अंगीरस ने भारतीय वैदिक एवं पौराणिक शिक्षा ग्रंथों का हवाला देते हुए पुस्तक-पाठक के बीच संबंध और उसके लाभ को विस्तार से पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम के दौरान डॉ. बहादुर सिंह की पुस्तक हरियाणवी लोक जीवन शिक्षा और संघर्ष पर आधारित विद्याश्रम जो हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशनार्थ 20000 रुपये के अनुदान से प्रकाशित हुई है का विद्वान अतिथियों द्वारा विमोचन लोकार्पण किया गया, जिस की समीक्षात्मक व्याख्या गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर के वरिष्ठ हिंदी प्रोफेसर डॉ प्रकाश चंद्र भारद्वाज द्वारा की गई। अंत में कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर पी.के.बाजेपयी द्वारा अन्य प्राध्यापकों मैडम पूनम गर्ग, मैडम मनीषा, डॉ. राखी और मैडम अनीता के सहयोग से मुख्य अतिथियों का शाल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए तह दिल से सम्मान किया।

सी हरियाली महोत्सव: जिला महामंत्री ने

सच कहूँ Sun, 10 July 2022
epaper.sachkahoon.com/c/69093237

दैनिक भास्कर
यमुनानगर भास्कर 10-07-2022

पुस्तक-पाठक के बीच संबंध को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया

यमुनानगर। महाराजा अग्रसेन स्नातकोत्तर महाविद्यालय जगाधरी में हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला के सौजन्य से पुस्तक पाठक दूरी सूचना प्रौद्योगिकी मजबूरी विषय पर संगोष्ठी हुई। कुरुक्षेत्र विवि के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. लालचंद गुप्त मंगल वक्ता रहे। वक्ता डॉ. आशुतोष अंगीरस ने भारतीय वैदिक एवं पौराणिक शिक्षा ग्रंथों का हवाला दिया। पुस्तक-पाठक के बीच संबंध और उसके लाभ को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बहादुर सिंह ने युवा पीढ़ी के पाठकों को पुस्तक पठन पाठन की ओर जोड़ने के लिए उपयोगी बताया। डॉ. बहादुर सिंह की पुस्तक हरियाणवी लोक जीवन शिक्षा और संघर्ष पर आधारित विद्याश्रम, जो हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशनार्थ 20 हजार रुपए के अनुदान से प्रकाशित हुई है, का विमोचन भी किया गया। समीक्षात्मक व्याख्या गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर के वरिष्ठ हिंदी प्रोफेसर डॉ. प्रकाश चंद्र भारद्वाज ने की। आयोजन समिति के अंतर्गत डॉ विजय चावला, प्रोफेसर अनिल कुमार , प्रोफेसर बरेजा, की व्यवस्था उत्तम श्रेणी की रही।

पुस्तक का स्थान तकनीक नहीं ले सकती: डॉ. बाजपेयी

सच कहूँ/जयमल सैनी

जगाधरी। महाराजा अग्रसेन स्नातकोत्तर महाविद्यालय जगाधरी में हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला के सौजन्य से पुस्तक पाठक दूरी व सूचना प्रौद्योगिकी मजबूरी नामक विषय पर सफल संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. लाल चंद गुप्त रहे। डॉ. पीके बाजेपयी ने सभी अतिथियों व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले आलेख एवं शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण एवं वाचन की सराहना की। उन्होंने पुस्तक पाठक दूरी सूचना क्रांति बनी मजबूरी विषय को चर्चा परिचर्चा हेतु वर्तमान संदर्भ में उपयोगी बताया। मुख्य अतिथि डॉ. लाल चंद्रगुप्त ने सोदाहरण और अपने अनुभव के बल पर पुस्तक और पाठक के मध्य वर्तमान में क्या संबंध है और पाठक पठन-पाठन की ओर कितना आकृष्ट है तथा वर्तमान में शोधार्थी पुस्तक पठन के प्रति संदर्भ ढूंढने के प्रति कितना सचेत है आदि पर प्रकाश डाला। इसी प्रकार डॉ. कमल नयन कपूर ने पठन-पाठन के विविध विषयों को उठाया व उसे पुस्तक और पाठक की मैत्री से जोड़ने का प्रयास किया।

डॉ. आशुतोष अंगीरस ने भारतीय वैदिक एवं पौराणिक शिक्षा ग्रंथों का हवाला देते हुए पुस्तक-पाठक के बीच संबंध और उसके लाभ को विस्तार से पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम के दौरान डॉ. बहादुर सिंह की पुस्तक हरियाणवी लोक जीवन शिक्षा और संघर्ष पर आधारित विद्याश्रम जो हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशनार्थ 20000 रुपये के अनुदान से प्रकाशित हुई है का विद्वान अतिथियों द्वारा विमोचन लोकार्पण किया गया, जिस की समीक्षात्मक व्याख्या गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर के वरिष्ठ हिंदी प्रोफेसर डॉ प्रकाश चंद्र भारद्वाज द्वारा की गई। अंत में कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर पी.के.बाजेपयी द्वारा अन्य प्राध्यापकों मैडम पूनम गर्ग, मैडम मनीषा, डॉ. राखी और मैडम अनीता के सहयोग से मुख्य अतिथियों का शाल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए तह दिल से सम्मान किया।

हरिभूमि
रोहतक - यमुनानगर
10 July 2022

जीवन को बचाना है तो धरती पर पानी को बचाना होगा।

आभा खेतरपाल ने कहा कि छात्राओं ने प्रदेशभर में कॉलेज का नाम रोशन

कुमार को बधाई दी। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष परमेश

कुवि में
पुंडरी ने

सूचना क्रांति से पुस्तक की अहमियत नहीं होगी कम

- महाराजा अग्रसैन महाविद्यालय में पुस्तक पाठक दूरी, सूचना प्रौद्योगिकी मजबूरी विषय पर हुआ राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। महाविद्यालय जगाधरी में आयोजित संगोष्ठी में भाग लेते वक्ता।

महाराजा अग्रसैन महाविद्यालय जगाधरी में पुस्तक पाठक दूरी, सूचना प्रौद्योगिकी मजबूरी विषय पर राष्ट्रस्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्यातिथि के रुप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉक्टर लाल चंद गुप्त ने भाग लिया। जबकि संगोष्ठी की अध्यक्षता मुकुंद लाल शिक्षण संस्थाओं के महासचिव एवं पूर्व प्रिंसीपल डॉ. रमेश कुमार ने की। जबकि मुख्य वक्ता के रुप में डॉ. कमल नयन कपूर, डॉ. आशुतोष अंगीरस व प्रोफेसर अशोक अग्रवाल ने भाग लिया। संगोष्ठी का शुभारंभ ज्योति प्रज्जवलन करके किया गया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. पीके बाजपेयी ने शुभारंभ करते हुए कहा कि वर्तमान में सूचना क्रांति के बढ़ने पर पाठक पुस्तकों से दूर होता जा रहा है।

शनिवार
मिजाज
मौसम
सुहावना
गर्मी से
सुबह से
बदलाव
बादल छा
की बूंदों
दिया। बा
में 3 से 4
शनिवार
मिजाज
अल सुब
बारिश

2. 5 सितम्बर 2022 शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन, मुख्य वक्ता पद्मश्री सम्मान से अलंकृत प्रतिष्ठित अध्यापक श्री आम प्रकाश गांधी जी का व्याख्यान।

शिक्षकों का देश निर्माण में अहम योगदान

यमुनानगर/जगाधरी। जिले के तमाम शिक्षण संस्थानों में सोमवार को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस दौरान देश के दूसरे राष्ट्रपति एवं शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान संस्थानों में भाषण, व्याख्यान, प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित विभिन्न गतिविधियां करवाई गई। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। शिक्षकों ने विभिन्न माध्यमों से विद्यार्थियों को जीवन में शिक्षक का महत्व बताया।

नई शिक्षा नीति की चुनौतियों पर अध्यापकों ने किया मंथन

संवाद न्यूज एजेंसी

जगाधरी। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में शिक्षक दिवस पर मुख्यातिथि व वक्ता पद्मश्री ओम प्रकाश गांधी रहे। उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 और अध्यापक की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य डॉ. प्रमोद कुमार वाजपेयी ने की।

उन्होंने पद्मश्री ओम प्रकाश गांधी की शिक्षा दीक्षा, इनकी कार्यशैली, महिला शिक्षा दिशा में किए कार्यों के बारे में बताया। ओम प्रकाश गांधी ने कहा कि आज राष्ट्र विश्व गुरु बनने की ओर कदम बढ़ा चुका है और कुछ ही वर्षों में यह पूरे संसार में आर्थिक दृष्टि से एक विकसित महाशक्ति बन जाएगा।

डॉ. वाजपेयी ने नई शिक्षा नीति 2020 को चुनौतियों व संभावनाओं पर विचार रखे। उन्होंने विद्यार्थियों को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में बताया। कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. करुणा, वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा गुप्ता ने शिक्षक की भूमिका का समाज पर पड़ने वाले असर के बारे में बताया। इस दौरान प्रो. अशोक अग्रवाल, डॉ. एएमएल सिंगला, इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र सिंह ढिल्लो, अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका पूनम गर्ग, डॉ. अनीता, डॉ. राखी, नीतू, ऋतु सहित अन्य उपस्थित रहे। संचालन कार्यक्रम संयोजक हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. बहादुर सिंह ने किया।

शिक्षक दिवस कार्यक्रम में उपस्थित कॉलेज स्टाफ और विद्यार्थी। संवाद

शिक्षक दिवस पर लगाए 40 पौधे

रादौर। ब्लॉक नंबरदार एसोसिएशन की ओर से सोमवार को शिक्षक दिवस के मौके पर कांबोज धर्मशाला में पौधरोपण किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ तहसीलदार सुरेश कुमार ने पौधा लगाकर किया। इस दौरान धर्मशाला परिसर में 40 पौधे लगाकर वातावरण को हराभरा बनाने का नंबरदारों ने संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान नैब सिंह नंबरदार ने की। इस दौरान कांबोज धर्मशाला प्रधान राजेंद्र रादौरी, कमल चमरोडी, जयप्रकाश कांजनू, कुलदीप नंबरदार, ऋषिपाल राणा, शिवकुमार संधाला, यूनुस खान, ओमप्रकाश, रामरतन, अमीलाल, कृष्णलाल, खुशीराम व अन्य मौजूद रहे। संवाद

'शिक्षा अलंकार' सम्मान से नवाजे गए 21 शिक्षक

शिक्षक दिवस पर अध्यापिकाओं को सम्मानित करते संस्था सदस्य।

संवाद न्यूज एजेंसी

छछरौली। जन कल्याण समिति की ओर से पंजेटो स्थित धर्म खोएड कॉलेज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के 21 अध्यापकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद् डॉ. मुकेश कुमार सहगल ने की। जबकि विशिष्ट अतिथि अश्वनी गोयल संयोजक गोसेवा समिति रहे। उप जिला शिक्षा अधिकारी कैलाश कुमारी व कपिल मनीष गर्ग विशिष्ट अतिथि रहे।

चेयरमैन ने बताया कि संस्था हर वर्ष शिक्षक दिवस पर 'शिक्षा अलंकार' सम्मान प्रदान करती है। समिति सामूहिक विवाह, आंखों में लेंस डलवाना, रक्तदान शिविर इत्यादि सामाजिक कार्य भी करवा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है। जिस देश में शिक्षक का सम्मान होगा वहीं देश उन्नति करता है। शिक्षाविद मुकेश सहगल ने कहा कि शिक्षकों पर देश की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। संवाद

3. हिन्दी दिवस आयोजन 14 सितम्बर - दिनांक 10 व 1 सितम्बर को हिन्दी दिवस आयोजन कहानी, कविता, निबंध लेखन कार्यशाला के रूप मे मनाया गया।
4. 27 सितम्बर 2022 को शहीद भगत सिंह जयन्ती को भव्य तौर पर आयोजित किया गया।

भगत सिंह के बताए रास्ते पर चलें

जगाधरी। महाराजा अग्रसेन कॉलेज में शहीद भगत सिंह का जन्मदिवस मनाया गया। जिसमें विद्यार्थियों व प्राध्यापकों सहित अन्य कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया। इस दौरान विद्यार्थियों व प्राध्यापकों ने भगत सिंह की चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कॉलेज प्राचार्य डॉ. पीके वाजपेयी ने विद्यार्थियों को शहीद भगत सिंह के जीवन के बारे में बताया। इस मौके पर डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. बहादुर सिंह आदि मौजूद रहे। संवाद

5. 12 अप्रैल, 13 अप्रैल 2023- अम्बेदकर जयन्ती के उपलक्ष्य में बाबा साहेब अम्बेदकर जी का जीवन दर्शन एवं विचार विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता।

न्यूज डायरी

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

जगाधरी। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में बुधवार को बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में निबंन लेखन प्रतियोगिता भाषा विभाग की ओर से करवाई गई। जिसका विषय डॉ. अंबेडकर का जीवन दर्शन एवं विचारधारा रहा। प्रतियोगिता में करीब 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया और प्रतिभा दिखाई। इस दौरान प्राचार्य डॉ. पीके वाजपेयी ने कहा कि बाबा साहेब ने विषम परिस्थितियों में स्वयं को सिद्ध किया। उनके विचारों व जीवन दर्शन को अपनाना चाहिए। इस मौके पर डॉ. बहादुर सिंह, सह प्राध्यापक मनीषा, प्रो. अशोक अग्रवाल, उप प्राचार्य डॉ. करुणा, नीतू ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। संवाद

6. 28 फरवरी 2023 उच्चतर शिक्षा निदेशालय हरियाणा के सौजन्य से हिन्दी पत्रकारिता और मीड़िया- भूत वर्तमान और भविष्य विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें 118 प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया।

नई दिल्ली
राजधानी

'लेखक, नेता व पत्रकार को नई दिशा प्रदान करती है आलोचना'

हरियाणा के जगाधरी के महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में 'हिंदी पत्रकारिता और मीडिया' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान प्राचार्य पीके बाजपेई और प्रदीप राय।

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 मार्च।

हरियाणा के जगाधरी के महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में 'हिंदी पत्रकारिता और मीडिया' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। उद्घाटन सत्र में वक्ताओं ने पत्रकारिता व मीडिया के भूत, वर्तमान और भविष्य के स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि आज विचारधाराएं बदलती जा रही हैं। उन्होंने कहा की नीतियों एवं विचारधारा की आलोचना जरूरी है।

आलोचना लेखक, नेता और पत्रकार को नई दिशा प्रदान करती है। हरियाणा उच्चतर शिक्षा निदेशालय पंचकूला के सौजन्य से आयोजित इस संगोष्ठी में बड़ी संख्या में प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों ने सहभागिता की व अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

व कागज की कीमत बढ़ने की वजह से अखबारों का प्रचलन कम होता जा रहा है। पत्रकारिता की आलोचना हमारे लिए एक इनाम के समान है और पत्रकारिता कभी भी अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटती।

महाविद्यालय के प्राचार्य पीके बाजपेई ने कहा कि हमें पत्रकारिता के क्षेत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पत्रकारिता का प्राचीन स्वरूप ही नए रूप में आज हमारे सामने है। उस नए रूप स्वरूप से विद्यार्थी यदि अपने आप को इसमें आजीविका खोजने के लिए जोड़ते हैं तो उनके लिए संघर्ष अवश्य है लेकिन भविष्य उज्ज्वल होगा।

तीसरे वक्ता प्रदीप राय ने पत्रकारिता के वर्तमान स्वरूप को विस्तार से चित्रित किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को समझने के लिए भाषा, ज्ञान व दृष्टि का होना जरूरी है। संगोष्ठी में इनके अलावा राजीव रंजन राय, बहादुर सिंह, अशोक

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

प्राध्यापकों व शोधार्थियों ने शोध पत्र किए प्रस्तुत

■ वर्तमान में बदल रही हैं विचारधाराएं: भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी में हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग के सहयोग से एक दिवसीय मीडिया विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें सैंकड़ो शोधार्थियों व प्राध्यापकों ने भाग लिया। संगोष्ठी में मुख्यातिथि के रुप में मुकेश भारद्वाज ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीके बाजपेयी ने की। संगोष्ठी में प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए । मुख्यातिथि एवं जनसत्ता समाचार पत्र के मुख्य संपादक मुकेश भारद्वाज ने कहा कि आज विचारधाराएं बदलती जा रही हैं। उन्होंने कहा की नीतियों एवं विचारधारा की आलोचना जरूरी है। आलोचना लेखक, नेता व पत्रकार को नई दिशा प्रदान करती है । वर्तमान में कोआपरेटिव तौर पर चलने वाले समाचार पत्र न के बराबर रह गए है । सरकार के असहयोग व कागज की कीमत में कमी न होने की वजह से अखबारों का प्रचलन कम होता जा रहा है । पत्रकारिता की आलोचना हमारे लिए एक इनाम के समान है और पत्रकारिता कभी भी अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटती । पत्रकारिता की शक्ति के सामने कानून भी बदल जाते हैं।

यमुनानगर। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी मे राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप प्रज्जवलित करके शुभारंभ करते हुए अतिथि। फोटो: हरिभूमि

पत्रकारिता के क्षेत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए

वहीं, राजीव रंजन राय ने पत्रकारिता एवं उससे जुड़े करियर पर प्रकाश डाला। डॉ. प्रदीप राय ने पत्रकारिता के वर्तमान स्वरूप को विस्तार से चित्रित किया । उन्होंने पत्रकारिता के विषय से जुड़े विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को पत्रकारिता का मूल उद्देश्य समझाया। संगोष्ठी के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीके बाजपेयी ने संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्राध्यापकों, मुख्यातिथि, शोधार्थियों व अन्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमें पत्रकारिता के क्षेत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए । पत्रकारिता का प्राचीन स्वरूप ही नए रूप में आज हमारे सामने आया है और उस नए रूप स्वरूप से विद्यार्थी यदि अपने आप को इसमें आजीविका खोजने के लिए जोड़ते हैं तो उनके लिए संघर्ष अवश्य है। कार्यक्रम का विषय विस्तार महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. बहादुर सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता और मीडिया भूत वर्तमान और भविष्य को विद्यार्थियों के समक्ष सोदाहरण प्रस्तुत किया।मंच संचालन प्रोफेसर अशोक अग्रवाल द्वारा किया गया व संपूर्ण संगोष्ठी का सार उप प्राचार्य डॉक्टर करुणा द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य ने सभी मुख्य वक्ताओं का सम्मान स्मृति चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर किया गया । इस अवसर पर डॉ. विजय चावला, कैप्टन डॉ. अनिल कुमार, मैडम मनीषा व मैडम सीमा जैन आदि मौजूद रहे।

समय के साथ बदल रही विचारधाराएं : मुकेश

संवाद न्यूज एजेंसी

जगाधरी। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में मंगलवार को हिंदी पत्रकारिता व मीडिया विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी करवाई गई। मुख्यातिथि मुकेश भारद्वाज ने विद्यार्थियों को बताया कि समय के साथ विचारधाराएं बदलती जा रही हैं।

नीतियों व विचारधारा की आलोचना जरूरी है आलोचना लेखक, नेता, पत्रकार को नई दिशा प्रदान करती हैं। वर्तमान में को-ऑपरेटिव तौर पर चलने वाले अखबार न बराबर रह गए है। पत्रकारिता की आलोचना हमारे लिए एक इनाम के समान है।

पत्रकारिता की शक्ति के सामने कानून भी बदल जाते हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अशोक अग्रवाल ने किया। संगोष्ठी का सार उपप्राचार्य डॉ. करुणा ने प्रस्तुत किया। इस मौके पर मुख्य रूप से आयोजन समिति सचिव डॉ. विजय चावला, कैप्टन डॉ. अनिल कुमार, हिंदी विभाग प्राध्यापक मनीषा, वाणिज्य कला अध्यक्ष सीमा जैन सहित विद्यार्थियों के अलावा स्टाफ मौजूद रहा।